(b) Indian Mission and Government of India's tourist offices kept the local Governments and media informed on a regular basis of the factual position regarding the outbreak of plague. The Government also hosted and number of foreign journalists to enable them to see things for themselves and thus file balanced stories. Suitable demarches were also made to local trade bodies etc. The information bulletins/advisory issued by WHO and its Director General's remarks after his visit to India, were given wide publicity by our overseas offices.

The Government of India also took every opportunity to brief the international press based in Delhi.

The Government also deputed two senior Health Ministry Officers to brief GCC Health Ministers.

(c) Does not arise?

**विदेशों में हिन्दी पढ़ाने हेतु नियुक्त किए गए प्राध्यापक**

1124. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन देशों में कौन-कौन प्राध्यापक हिन्दी पढ़ाने हेतु नियुक्त हैं ;

(ख) क्या ये नियुक्तियां अथवा प्रतिनियुक्तियां भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की ओर से की गई हैं ; और

(ग) यदि हां, तो ऐसी नियुक्तियों हेतु शर्तें क्या हैं और उनके चयन की विधि क्या है ?

**विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया)** : (क) सूचना विवरण I और II के रूप में संलग्न है । **(नीचे देखिए)**

(ख) विदेशों में हिन्दी अध्यापकों की प्रतिनियुक्ति भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा विभिन्न द्विपक्षीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् की अपनी योजना के तहत और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग की ओर से विदेशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की योजना के तहत की जाती है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद विदेशों में स्थापित हमारे सांस्कृतिक केन्द्रों में भी हिन्दी अध्यापकों को भेजता है।

(ग) प्रोफेसरों को दो वर्ष की अवधि के लिये प्रतिनिधि प्रतिनियुक्त पर भेजा जाता है जिसे परस्पर सहमति और उनके मूल विभाग की सहमति से एक और वर्ष के लिये बढ़ाया जा सकता है। इस संबंध में प्रतिनियुक्ति की शर्तें समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय विदेश सेवा (पी.एल.सी.ए.) नियम 1961 के तहत संचालित होती हैं।

जैसे ही और जब रिक्तियां होती है, विभिन्न विश्व विद्यालयों से उपयुक्त उम्मीदवारों की सिफारिश करने के लिये अनुरोध किया जाता है। विश्व विद्यालयों की सिफारिशों के आधार पर, उपयुक्त उम्मीदवारों का एक पैनल बनाया जाता है और इस पैनल में से चयन समिति तीन या चार विद्वानों को चुनती है। इन विद्वानों का शैक्षिक विवरण प्राप्तकर्त्ता पक्ष के पास भेज दिया जाता है, जो अन्तिम रूप से चयन करता है।

**विवरण-I**

उन देशों का सूचो जिनमें हिन्दी पढ़ाने के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा प्रोफेसरों/प्राध्यापकों को प्रतिनियुक्ति किया गया है :

1. बैल्जियन
2. बुल्गारिया
3. चीन
4. फिनलैण्ड
5. हंगरी
6. कोरिया गणराज्य
7. पोलैण्ड
8. रूस
9. सूरीनाम
10. ट्रिनीडाड
11. तुर्की

## विवरण–II

**उन प्रोफसरों के नाम जिन्हें विदेशों में हिन्दी पढ़ाने के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा प्रतिनियुक्त किया गया है :**

---

**सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत :**

1. डा० देवेन्द्र शुक्ला

सौफिया विश्वविद्यालय, सोफिया, बल्गारिया में हिन्दी के अतिथि सह-आचार्य

2. डा अब्दुल बिस्मिल्लाह

वारसा विश्वविद्यालय, पोलैण्ड में हिन्दी के अतिथि सह-आचार्य

3. डा. (श्रीमती) कमलेश सिंह

लोवेन कैथोलिक विश्वविद्यालय बेल्जियम में हिन्दी की अतिथि सह-आचार्य

4. डा. ओ.पी. सिंघल

बीजिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन में हिन्दी भाषा और साहित्य के अतिथि सह-आचार्य

5. डा. रमेश चन्द्र शर्मा

विदेशी अध्ययन के हेकुंक विश्वविद्यालय सियोल, कोरिया गणराज्य में हिन्दी के अतिथि सह-आचार्य

6. डा. (श्रीमती) अनिता गांगुली

हेलसिंकी विश्वविद्यालयों, हेलसिंकी फिनलैण्ड में हिन्दी की अतिथि सह-आचार्य

7. डा. (श्रीमती) नूरजहां बेगम

अंकारा विश्वविद्यालय, अंकारा, तुर्की में हिन्दी की अतिथि सह-आचार्य

8. डा. सैयद असगर वजाहत

एटवोस लोरेड विश्वविद्याल, बुडापैस्ट हंगरी में हिन्दी के अतिथि सह-आचार्य

**विदेशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार योजना के तहत :**

1. डा. त्रिलोकी नाथ सिंह

भारतीय सास्कृतिक केन्द्र परामारिबो, सूरीनाम में हिन्दी के अतिथि सह-आचार्य

2. डा. वी.आर. जगन्नाथ

वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय, सेंट आगस्टाइन कैम्पस, पोर्ट आफ स्पेन, ट्रिनीडाड में हिन्दी के अतिथि सह-आचार्य

3. डा० वाई. वेंकटरमनन राव

विदेशी भाषा केन्द्र (निर्हस्ट) पोर्ट आफ स्पेन, ट्रिनिडाड में हिन्दी के अतिथि सह-आचार्य

**भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों में**

1. डा० (कुमारी) गीता शर्मा

जवाहर लाल नेहरू सांस्कृतिक केन्द्र, मास्को, रूस में हिन्दी के अतिथि सह-आचार्य।

**Bilatral relations with neighbohring countries**

1125. SHRI IQBAL SINGH; Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state the specific steps taken and the achievements made by Government of India to strengthen the bitateral relations with the neigbbouring countries during the last three years; country-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): The information, country-wise, is as under:—

CHINA

During this period, Government continued to work towards the goal of establishing a long-term, stable and good neighbourly relationship with China. The process of steady improvement in India-China relations was helped by a high-level political dialogue with China.